



एक दिवसीय कार्यशाला राजभाषा के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका

मंगलवार, 9 दिसम्बर 2025



प्रतिवेदन

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)



संरक्षक
प्रो. वाई.एस. ठाकुर
माननीय कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)



विषय विशेषज्ञ
श्री दीपक निषाद
कार्यक्रम अधिकारी
आकाशवाणी, सागर (म.प्र.)



आयोजक

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)



मंगलवार, 09 दिसम्बर 2025

मध्याह्न 12.00 बजे

गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन



संयोजक
संतोष सोहगौरा
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

प्रतिवेदन

विश्वविद्यालय के कार्मिकों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार तथा कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजभाषा प्रकोष्ठ प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु 'राजभाषा के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका' विषय पर विशिष्ट हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से यह कार्यशाला दिनांक 09 दिसम्बर, 2025 को नवीन प्रशासनिक भवन स्थित गौर समिति कक्ष में आयोजित की गई। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी एवं नोडल प्रभारी श्री दीपक कुमार निषाद उपस्थित रहे। कार्यशाला का संयोजन संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने किया।

कार्यशाला के दौरान अपनी बात रखते हुए श्री दीपक निषाद ने बताया कि न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है। आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विभिन्न कार्यक्रमों का उदाहरण

देते हुए उन्होंने बताया कि भाषायी गाम्भीर्य को बरकरार रखते हुए आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्य को प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है।

कार्यशाला के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि टूल्स, फॉण्ट एवं हिंदी शब्दकोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता तथा सांस्कृतिक एकजुटता में भी संचार माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक कुलसचिव श्री राजकुमार पाल एवं श्री दीपक कुमार शाक्य, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया एवं श्री सचिन सिंह गौतम, विधि अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ठाकुर, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर श्री माधव चंद्रा, अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंजु कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर, विजय कुमार रजक, आकांक्षा पाण्डेय, प्रज्ञा गौर, शिवानी चौरसिया, रितु ठाकुर, पारुल गौड़, प्रियंका भदौरिया, दमयंती प्रजापति, रघुराज सिंह ठाकुर, आदित्य बरमैया, अनस खान, अजब सिंह, मनोज कुमार कावड़े, रेवा राम पटेल,



अमन जैन, देवेन्द्र कुमार सिलार, निशांत सोनी, संजय पटेल, महेन्द्र कुमार बाथम, शेखर हेडाऊ, हर्ष शांडिल्य, हर्ष तिवारी, महेन्द्र गौतम, नीतेश जैन, प्रवीण साहू प्रभांशु तिवारी एवं अंकित जैन सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला के दौरान गणमान्य अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

कार्यशाला का संचालन एवं आभार ज्ञापन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।



फोटो गैलरी







समाचार पत्रों की कतरनें

दिनांक 10 दिसम्बर, 2025

सागर सिटी

आचरण

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न

आचरण संवाददाता

सागर । 'न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है। यह बात विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही। आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विभिन्न कार्यक्रमों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि भाषायी गाम्भीर्य को बरकरार रखते हुए आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्यों को प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौर ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग



मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारणी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि टूल्स, फॉन्ट एवं हिंदी शब्द कोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता तथा सांस्कृतिक एकजुटता में भी संचार माध्यमों का महत्वपूर्ण

योगदान है।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहयक कुलसचिव राजकुमार पाल एवं दीपक कुमार शास्त्री, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिंगा एवं सचिन सिंह गौतम, विधि अधिकारी बजरभूषण सिंह ठाकुर, हैमपम्पआरसी के प्रोड्यूसर माधव चंद्रा, अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंजु कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर, विजय कुमार रजक, आकांक्षा पाण्डेय, प्रजा गौर, शिवानी चौरसिंगा, रितु ठाकुर, पारुल गौड़, प्रियंका भट्टारिया, दमयंती प्रजापति, रघुराज सिंह ठाकुर, आदित्य वर्मैया, अनस खान, अजय सिंह, मनोज कुमार कावड़े, रेखा राम पटेल, अमन जैन, देवेन्द्र कुमार सिलार, निशांत सोनी, संजय पटेल, महेंद्र कुमार बाथम, शेखर हज्जु, हर्ष शांडिल्य, हर्ष तिवारी, महेंद्र गौतम, नीतिश जैन, प्रवीण साहू प्रभाशु तिवारी एवं अंकित जैन सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभियंता सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2025

भारत के गांव-गांव में बढ़ रही हिंदी की प्रतिष्ठा में संचार माध्यमों की भूमिका अहम

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिका, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, इंटरनेट मीडिया व अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है। यह बात विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही।

उन्होंने बताया कि भाषायी गाम्भीर्य को बरकरार रखते हुए आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्य को प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष

विश्वविद्यालय में राजभाषा पर हुई कार्यशाला



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि । • नवदुनिया

सोहगौर ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण के लिए पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारणी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि टूल्स, फॉन्ट एवं हिंदी

शब्दकोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है।

प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए: कार्यशाला के दौरान अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभियंता सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यशाला संपन्न

सागर दिनकर

सागर। 'न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है। यह बात विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक निषाद ने कही। आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विभिन्न कार्यक्रमों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि भाषायी गाम्भीर्य को बरकरार रखते हुए? आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्य को प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है।

कार्यशाला के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि टूल्स, फॉण्ट एवं हिंदी शब्द कोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ते री हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता तथा सांस्कृतिक एकजुटता में भी संचार माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल एवं

दीपक कुमार शाक्यश, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया एवं श्री सचिन सिंह गौतम, विधि अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ठाकुर, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर श्री माधव चंद्रा, अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंजु कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर, विजय कुमार रजक, आकांक्षा पाण्डेय, प्रज्ञा गौर, शिवानी चौरसिया, रितु ठाकुर, पारुल गौड़, प्रियंका भदौरिया, दमयंती प्रजापति, रघुराज सिंह ठाकुर, आदित्य बरमैया, अनस खान, अजब सिंह, मनोज कुमार कावेड़, रेवा राम पटेल, अमन जैन, देवेन्द्र कुमार सिलार, निशांत सोनी, संजय पटेल, महेन्द्र कुमार बाथम, शेखर हेडरू, हर्ष शांडिल्यम, हर्ष तिवारी, महेन्द्र गौतम, नीतेश जैन, प्रवीण साहू प्रभांशु तिवारी एवं अंकित जैन सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की।

भाषाई जागरूकता में जनसंचार माध्यमों का योगदान महत्वपूर्ण: सोहगौरा

सागर, देशबन्धु। गौर समिति कक्ष नवीन प्रशासनिक भवन में मंगलवार को न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है। यह बात विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही। उन्होंने बताया कि भाषायी गाम्भीर्य को बरकरार रखते हुये आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्य को प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक तथा विवि के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया



का उपयोग विवि पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि टूल्स, फॉण्ट एवं हिंदी शब्दकोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय एकता,

प्रशासनिक सुगमता तथा सांस्कृतिक एकजुटता में भी संचार माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहा. कुलसचिव राजकुमार पाल एवं दीपक कुमार शाक्य, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया एवं सचिन सिंह गौतम, विधि अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ठाकुर, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर माधव चंद्रा, अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंजु कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर, विजय कुमार रजक, आकांक्षा पाण्डेय, प्रज्ञा गौर, शिवानी चौरसिया, रितु ठाकुर, पारुल गौड़, प्रियंका भदौरिया, दमयंती प्रजापति सहित विवि के विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला के दौरान अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

भारत के गांव-गांव में बढ़ रही हिंदी की प्रतिष्ठा में संचार माध्यमों की भूमिका अहम : दीपक निषाद

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यशाला संपन्न



दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है। यह बात विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही। आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विभिन्न कार्यक्रमों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि भाषायी गाम्भीर्य को बरकरार रखते हुए आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्य को प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी

किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्दसिंधु आदि टूलस, फॉण्ट एवं हिन्दी शब्दकोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता तथा सांस्कृतिक एकजुटता में भी संचार माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला में पुरतकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल एवं दीपक कुमार शाक्य, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया एवं सचिन सिंह गौतम, विधि अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ठाकुर, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर माधव चंद्रा, अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंजु कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर, विजय कुमार रजक, आकांक्षा पाण्डेय, प्रजा गौर, शिवानी चौरसिया, रितु ठाकुर, पारुल गौड़, प्रियंका भदौरिया, दमयंती प्रजापति, रघुराज सिंह ठाकुर, आदित्य बरमैया, अनस खान, अजब सिंह, मनोज कुमार कावड़े, रेवा राम पटेल, अमन जैन सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला के दौरान गणमान्य अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2025

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यशाला संपन्न



सागर (आरएनएन)। न केवल भारत के गांव गांव में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है इसके प्रचार प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है, यह बात विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही। आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विभिन्न कार्यक्रमों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आकाशवाणी द्वारा भारत के दूरस्थ स्थित अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके साहित्यों को प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण के लिए पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्द, सिंधु आदि टूल्स, फॉण्ट एवं हिंदी शब्द कोश के प्रयोग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंचार माध्यमों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता तथा सांस्कृतिक एकजुटता में भी संचार माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की जिन्हें अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2025

विश्वविद्यालय में हिंदी कार्यशाला...

गांव-गांव में बढ़ रही हिंदी की प्रतिष्ठा में संचार माध्यमों की भूमिका अहम: दीपक निषाद



सागर @पत्रिका, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ ने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विषय-विशेषज्ञ के रूप में सागर आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद शामिल हुए। उन्होंने कहा कि न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि पूरे विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया और अन्य जनसंचार माध्यमों से हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम जारी है।

विश्वविद्यालय के संयुक्त

कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विश्वविद्यालयी पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण के लिए पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से मौजूद है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि टूल्स, फॉण्ट और हिंदी शब्दकोश के प्रयोग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अलग-अलग विभागों, अनुभागों और कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र बांटे गए।

हिंदी ने डिजिटल टूल्स में कार्यालयीन सुगमता बढ़ाई : संतोष सोहगौरा



सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में आयोजित राजभाषा कार्यशाला में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी आज न केवल भारत के गांव-गांव में, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी मजबूत पहचान बना रही है। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ एवं आकाशवाणी सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कहा कि पत्र-पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा और सोशल मीडिया जैसे जनसंचार माध्यमों ने हिंदी को घर-घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी भाषाई गंभीरता को बनाए रखते हुए दूरस्थ अंचलों तक हिंदी भाषा और साहित्य को सतत प्रसारित करता आ रहा है।

कार्यशाला के संयोजक एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव तथा राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा

ने कहा कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ा है। हिंदी शिक्षण की सामग्री इंटरनेट पर सरलता से उपलब्ध है, जिसे मोबाइल पर भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कार्यों में यूनिकोड, कंठस्थ, अनुवाद सारथी, हिंदी शब्द सिंधु जैसे डिजिटल टूल्स के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि जनसंचार माध्यमों ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ ही राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता और सांस्कृतिक समरसता को भी नई गति दी है।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टीए, सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल, दीपक कुमार शाक्य, डॉ. रूपेंद्र जुगल चौरसिया, सचिन सिंह गौतम, ब्रजभूषण सिंह ठाकुर, माधव चंद्रा, रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंजू कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर आदि मौजूद रहे।

हिंदी की प्रतिष्ठा में संचार माध्यम महत्वपूर्ण

नवभारत न्यूज
सागर 9 दिसंबर. न केवल
भारत के गांव-गांव में बल्कि
संपूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा
बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार
में संचार माध्यम महत्वपूर्ण
भूमिका निभा रहे हैं. पत्र-
पत्रिकाएं, समाचार-पत्र,
आकाशवाणी, दूरदर्शन,
रेडियो, सिनेमा, सोशल
मीडिया तथा अन्य माध्यमों द्वारा
हिंदी को घर-घर पहुंचाने का
काम अनवरत जारी है.

यह बात विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित हिंदी



कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही. संयोजक तथा कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग विवि

पठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर उपलब्ध है जिसका उपयोग मोबाइल पर भी किया जा सकता है। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न

भारत के गांव-गांव में बढ़ रही हिंदी की प्रतिष्ठा में भाषाई जागरूकता में जनसंचार माध्यमों का योगदान

संचार माध्यमों की भूमिका अहम: दीपक निषाद महत्वपूर्ण: संतोष सोहगौरा

सत्ता सुधार • लागू

न केवल भारत के गांव-गांव में बॉक्स समूहों द्वारा मेले की प्रवृत्ति बढ़ रही है, इसके प्रसार-प्रसार में संलग्न समूहों द्वारा प्रवृत्ति निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, मोबल मीडिया तथा अन्य कमजोर माध्यमों द्वारा जो पर-पर पहुंचाने का काम अन्तर्गत है। यह बात विचारधारात्मक के रास्ता पर प्रवृत्ति और अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवसरानुसार दिष्टि कार्यपालन में नियम-विरोध के रूप में उपयोग आकाशवाणी, स्तर के कार्यक्रम अधिकारी दृष्टि निम्न में कार्य। आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विभिन्न कार्यक्रमों का उद्धारण देते हुए उन्नीस बत्ताति कि पाषाणी मासों को बरकरार रखते हुए आकाशवाणी द्वारा भारत के दूसरे स्थान अंचलों तक हिंदी भाषा एवं उसके स्थाविक के अंचलों-प्रसारण किया जा रहा है कार्यपालन के



संयोजक तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष मोहगौस ने बताया कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का

उपयोग विश्वविद्यालयी पाठन-पाठन में प्रचुरता से किया जा रहा है। हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री भी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जिसका उपयोग

मोबाइल पर भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में भी व्हाट्सएप, क्लाइप, अनुवाद सारथी, हिन्दी शब्द सिंधु आदि दूसरे, फ्रीट एप सिंदी शब्दकोश के प्रयोग में निरत बढोत्सर्ग हो रही है। उन्होंने बताया कि जनसंख्या माध्यम से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति मिली है। इतना ही नहीं गरीब एकता, प्रशासनिक सुगमता तथा सार्वजनिक एक जुटान में भी संघर्ष साधनों का माध्यम बन रहा है।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टो.ए., सहायक कुलसचिव श्री राजकुमार पात एवं दीपक कुमार शाहव, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ में डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौधरिया एवं सचिव सिंह गौतम, विधि अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ठाकुर, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर श्री भाषव चंद, अनुभाग अधिकारी राजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहत, मंजु कर्मा, शशि शीवास्त्रय, अनिल कुमार

एडी, विजय कुमार राजक, अकांक्ष फाउण्डे, झांसी, शिवगंगा चौरंगिया, मिर्जा टकरा, पलम गौरी, प्रियाका भट्टीया, अमलप्रेत प्रकाशित, रघुनाथ सिंह टकरा, आर्यवर्त फाउण्डे, अमर साहू, अरुण सिंह, मनोज कुमार कावडे, रेखा मय पटेल, अमर पंडे, देवेन्द्र कुमार साहय, शैलेश मेहता, संजय पटेल, देवेंद्र कुमार सिलार, निरंज देवका, हर्ष शाहिव, एवं तिवारी, मोहन मोहन, जैनेश ठाकुर, प्रवीण साहू प्रभासू तिवारी एवं अजित जैन सीनियर प्रिंसीपल/प्रिंसिपल के विभिन्न विभागों, अध्यापकों एवं कार्यालयों में पदस्थ लगभग 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागियों को। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन उपप्रधान प्रमोदराज अकिशेक सक्सेनी ने किया। विशेष सहयोग विनोद राजक का रहा।



सागर 10-12-2025

हिंदी ने डिजिटल टूल्स में कार्यालयीन सुगमता बढ़ाई: संतोष सोहगौरा



सं. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में आयोजित राजभाषा कार्यशाला में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी आज न केवल भारत के गांव-गांव में, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी मजबूत पहचान बना रही है। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ एवं आकाशवाणी सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कहा कि पत्र-पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा और सोशल मीडिया जैसे जनसंचार माध्यमों ने हिंदी को घर-घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी भण्डाई गोभिला को बनाए रखते हुए दूसरे अंकों तक हिंदी भाषा और साहित्य को सतत प्रसारित करता आ रहा है। कार्यशाला के संयोजक एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव तथा राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ा है। हिंदी शिक्षण की सामग्री इंटरनेट पर सरलता से उपलब्ध है, जिसे मोबाइल पर भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन कार्यों में यूनिट, कंठस्थ, अनुवाद सारणी, हिंदी शब्द सिंधु जैसे डिजिटल टूल्स के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि जनसंचार माध्यमों ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ ही राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक सुगमता और सांस्कृतिक समरसता को भी नई गति दी है। कार्यशाला में पुस्तकालयध्यक्ष डॉ. मोहन दीप, सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल, दीपक कुमार शास्त्री, डॉ. रूपेंद्र जुगल चौधरी, सचिव सिंह गौतम, ब्रजभूषण सिंह ठक्कर, माधव चंद्रा, रजनीश जैन, गोपाल प्रसाद रोहित, मंगू कुर्मी, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुमार राठौर आदि मौजूद रहे।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2025

विवि में राजभाषा कार्यशाला संपन्न

जागरण, सागर । 'न केवल भारत के गांव-गांव में बल्कि संपूर्ण विश्व में हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, इसके प्रचार-प्रसार में संचार माध्यकम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पत्र-पत्रिकायें, समाचार-पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा, सोशल मीडिया तथा अन्य जनसंचार माध्यमों द्वारा हिंदी को घर-घर पहुंचाने का काम अनवरत जारी है' यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आयोजित हिंदी कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद ने कही।

सभी के सम्मान में मिलकर मिलें, अक्टूबर 2024 तक 42 हजार ईसाई में 40 लाख भूमि हो

2.2 Deep Dive

 Springer

© साहित्य समाज, पुणे | All rights reserved. | 0200 22 11 11 | www.sahitya.org

[illegible]

संयोजक



Search

SEARCH

* **Disposal Method:** भोजन में से का सुशोभित भाग सुशोभित
समय में सुशोभित हो। गंदे और कड़वी गंधी भाग में
सोफा पर छोड़ दी जाए।

* दृश्य सम्पत्ति समकालीन अभियान विज्ञापन का एक अंग है।
समकालीनता का साथ ही निरंतरता।

* मासिक वेतन रु. १००, इन्सुरेन्स कवरेज और २०१५ तक विप्रेत सुधार

• जहाँ के गवर्नरों में मिलने के लिए, अक्टूबर 2020 तक 10 राज्य सरकारों में 2016 के बजट-संबंधी विचार-विमर्श के दौरान, संघीय सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों के बीच

* यह दर्शक को बताता है कि इन विचारों के विचारक विचारकों ने जो कुछ सोचा उसकी प्रशंसा करना आवश्यक था किन्तु प्रशंसा

No comments to show

भारत के गांव-गांव में बढ़ रही हिंदी की प्रतिष्ठा में संचार माध्यमों की भूमिका अहम- दीपक निषाद



1997-1998

महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री कृष्ण कृष्ण राव की अध्यक्षता में राज्य सरकार के मुख्य मंत्रियों की बैठक आयोजित होगी।

[illegible][illegible][illegible]

संविधान का संरक्षण सम्बन्ध प्रजापति के अधिकार समेत में किया। विशेष संवैधानिक शक्ति प्रजापति को मिली।

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)



ई-मेल : rajbhasha@dhgsu.edu.in

दूरभाष क्र. : (07582) 297118

पत्र क्र. राभाप्र/2025/33/ 4077

05 दिसम्बर, 2025

सूचना

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रमानुसार प्रशासनिक काम-काज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा प्रकोष्ठ नियमित रूप से विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों हेतु कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

इसी क्रम में सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु 'राजभाषा के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला दिनांक 09 दिसम्बर, 2025 को मध्याह्न 12.00 बजे गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में आयोजित की जा रही है। उक्त कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री दीपक निषाद, कार्यक्रम अधिकारी, आकाशवाणी केन्द्र, सागर (म.प्र.) प्रसार भारती, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे।

अतः उक्त कार्यशाला में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति अपेक्षित है।

आदेशानुसार,

संतोष सिंहगौरा
राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव

प्रतिलिपि : कृपया सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण।
2. समस्त विभागाध्यक्ष एवं शाखा प्रभारी - उक्त कार्यशाला में अपने अधीनस्थ संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करवाने के अनुरोध के साथ।
3. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ-वेबसाइट पर अपलोड करने के अनुरोध के साथ।
4. कुलपति जी के निजी सहायक- माननीय कुलपति जी को सादर सूचनार्थ।
5. कुलसचिव जी के निज सहायक।
6. कार्यालय नस्ती।

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)



ई-मेल : rajbhasha@dhsgsu.edu.in

दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्र. : रा.भा.प्र./2025/31/4078

05 दिसम्बर, 2025

प्रति,

श्री दीपक निषाद
कार्यक्रम अधिकारी
आकाशवाणी केन्द्र, सागर (म.प्र.)
प्रसार भारती, भारत सरकार।

विषय : हिन्दी कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रण।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशों के तारतम्य में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक काम-काज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 09 दिसम्बर, 2025 दिन मंगलवार समय दोपहर 12.00 बजे करने जा रहा है।

राजभाषा के प्रशासनिक कामकाज के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता एवं अनुभवों का लाभ कार्मिकों को प्रदान करने के उद्देश्य से उक्त कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारने की कृपा करें। कृपया इस बावत् अपनी स्वीकृति से हमें अवगत कराने का कष्ट करें।

धन्यवाद

भवदीय,

(संतोष सिंहगौर)

संयुक्त कुलसचिव एवं
राजभाषा अधिकारी (प्र.)
मोबाइल नं. 9479398600

Ans

प्रतिलिपि :

1. कुलपति जी के निजी सहायक- माननीय कुलपति जी को सादर सूचनाार्थ।
2. कुलसचिव जी के निज सहायक।
3. गार्ड फाईल।

